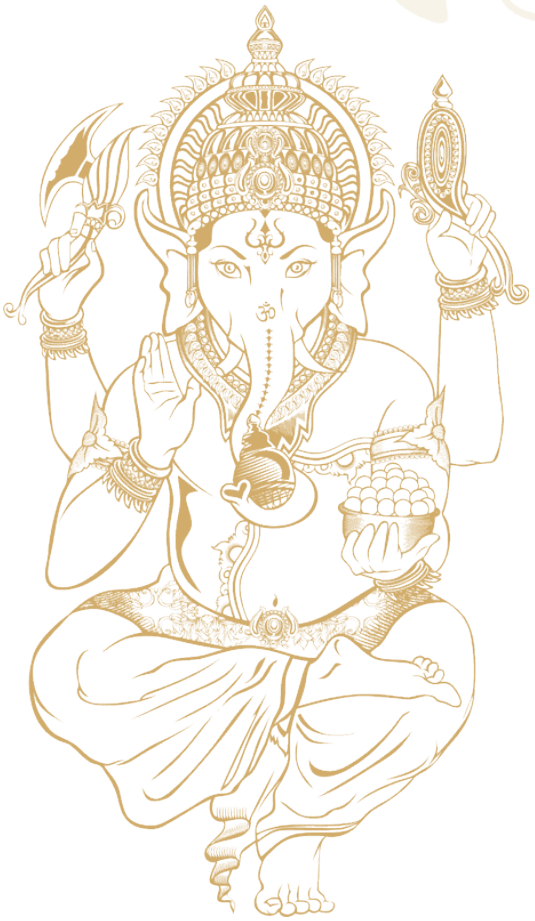

Hardik khatri

Pranjal Khatri

Model: Horoscope-Matching

Order No: 121766901

Model: Horoscope-Matching

Order No: 121766901 Date: 31/03/2026

पुल्लिंग	लिंग	स्त्रीलिंग
13/08/1996	जन्म तिथि	08/05/1998
मंगलवार	दिन	शुक्रवार
घंटे 20:30:00	जन्म समय	22:55:00 घंटे
घटी 35:37:30	जन्म समय(घटी)	42:11:30 घटी
India	देश	India
Ahmedabad	स्थान	Sirohi
23:03:00 उत्तर	अक्षांश	25:53:00 उत्तर
72:40:00 पूर्व	रेखांश	72:58:00 पूर्व
82:30:00 पूर्व	मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
घंटे -00:39:20	स्थानिक संस्कार	-00:38:08 घंटे
घंटे 00:00:00	ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
06:14:59	सूर्योदय	05:56:52
19:12:50	सूर्यास्त	19:12:49
23:48:40	चित्रपक्षीय अयनांश	23:49:54

कुम्भ	लग्न	धनु
शनि	लग्न लग्नाधिपति	गुरु
कर्क	राशि	कन्या
चन्द्र	राशि-स्वामी	बुध
आश्लेषा	नक्षत्र	हस्त
बुध	नक्षत्र स्वामी	चन्द्र
1	चरण	4
वरियान	योग	वज्र
चतुष्पाद	करण	कौलव
डी-डीगेश्वर	जन्म नामाक्षर	ठ-ठुमकी
सिंह	सूर्य राशि(पाश्चात्य)	वृष
विप्र	वर्ण	वैश्य
जलचर	वश्य	मानव
मार्जार	योनि	महिष
राक्षस	गण	देव
अन्त्य	नाड़ी	आद्य
श्वान	वर्ग	श्वान

ग्रह अंश एवं विंशोत्तरी

विंशोत्तरी		अंश	राशि	ग्रह	राशि	अंश	विंशोत्तरी	
बुध 13वर्ष 0मा 10दि		22:52:23	कुंभ	लग्न	धनु	14:01:08	चन्द्र 0वर्ष 7मा 30दि	
शुक्र		27:18:49	कर्क	सूर्य	मेष	24:05:10	गुरु	
24/08/2016		19:46:53	कर्क	चंद्र	कन्या	22:26:44	07/01/2024	
24/08/2036		18:43:40	मिथु	मंगल	मेष	25:04:49	07/01/2040	
शुक्र	24/12/2019	23:24:30	सिंह	बुध	मीन	27:55:38	गुरु	24/02/2026
सूर्य	24/12/2020	14:41:44	धनु व	गुरु	कुंभ	27:09:03	शनि	06/09/2028
चन्द्र	24/08/2022	11:45:18	मिथु	शुक्र	मीन	11:43:41	बुध	13/12/2030
मंगल	25/10/2023	13:02:26	मीन व	शनि	मेष	02:39:53	केतु	19/11/2031
राहु	24/10/2026	16:40:44	कन्या व	राहु व	सिंह	13:07:47	शुक्र	20/07/2034
गुरु	24/06/2029	16:40:44	मीन व	केतु व	कुंभ	13:07:47	सूर्य	08/05/2035
शनि	24/08/2032	08:02:27	मक व	हर्ष	मक	18:52:44	चन्द्र	06/09/2036
बुध	25/06/2035	01:52:55	मक व	नेप व	मक	08:19:35	मंगल	13/08/2037
केतु	24/08/2036	06:31:32	वृश्चि	प्लूटो व	वृश्चि	13:22:58	राहु	07/01/2040

व - वकी स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : माध्य

23:48:40 चित्रपक्षीय अयनांश 23:49:54

लग्न-चलित

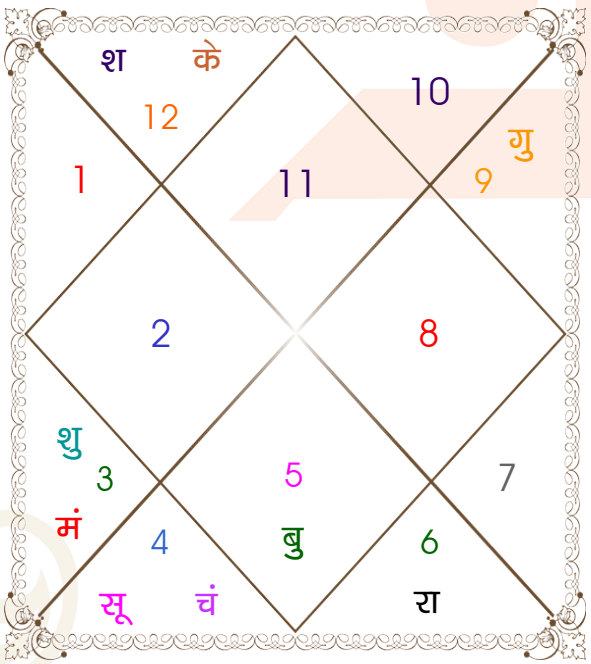

लग्न-चलित

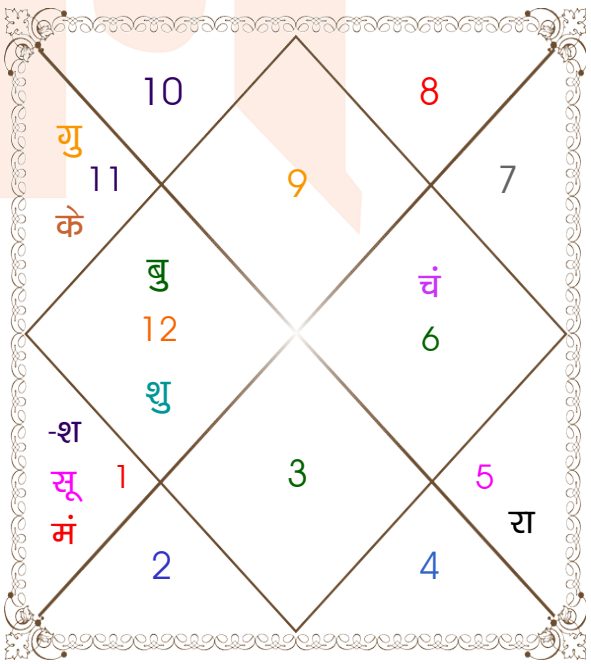

अष्टकूट गुण सारिणी

कूट	वर	कन्या	अंक	प्राप्त	दोष	क्षेत्र
वर्ण	विप्र	वैश्य	1	1.00	--	जातीय कर्म
वश्य	जलचर	मानव	2	1.00	--	स्वभाव
तारा	साधक	प्रत्यारि	3	1.50	--	भाग्य
योनि	मार्जार	महिष	4	2.00	--	यौन विचार
मैत्री	चन्द्र	बुध	5	1.00	--	आपसी सम्बन्ध
गण	राक्षस	देव	6	1.00	--	सामाजिकता
भकूट	कर्क	कन्या	7	7.00	--	जीवन शैली
नाड़ी	अन्त्य	आद्य	8	8.00	--	स्वास्थ्य/संतान
कुल :			36	22.50		

कुल : **22.5 / 36**

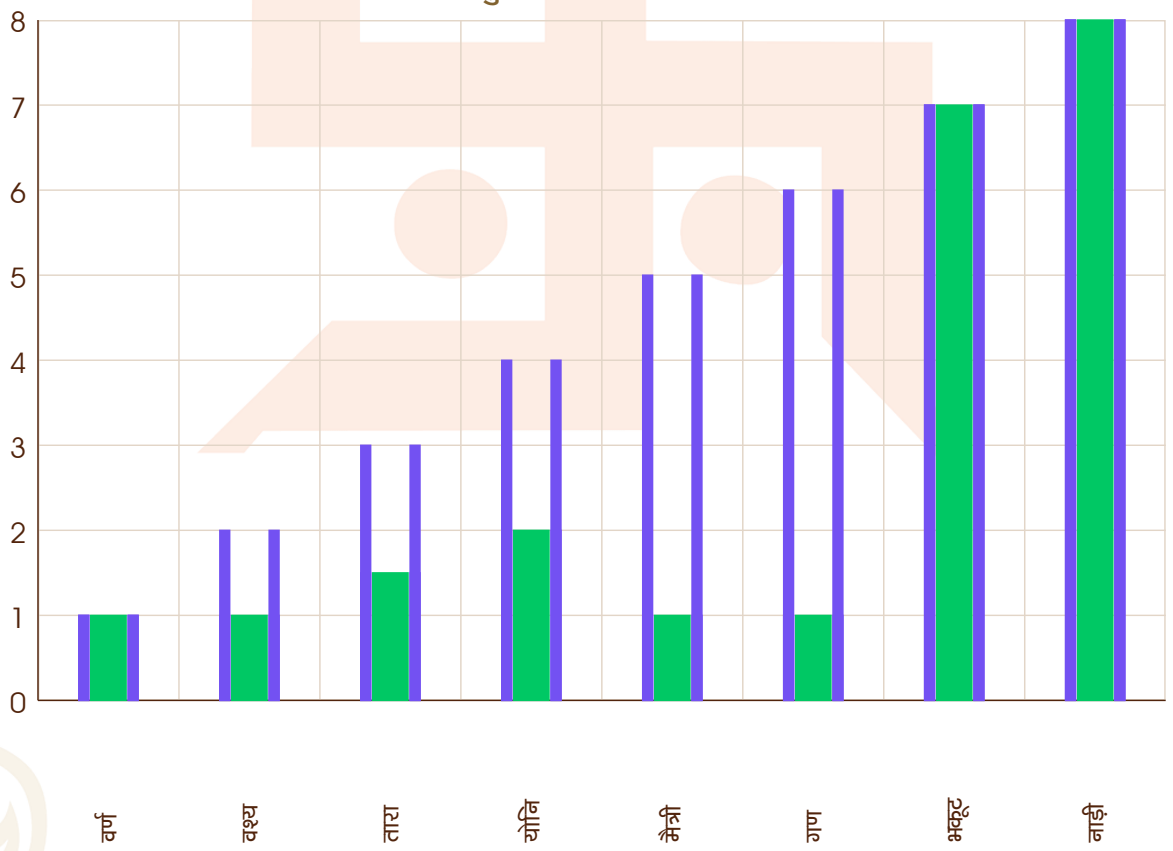

अष्टकूट मिलान

Hardik khatri का वर्ग श्वान है तथा Pranjal Khatri का वर्ग श्वान है। इन दोनों वर्गों में परस्पर सम है।

अष्टकूट मिलान के अनुसार Hardik khatri और Pranjal Khatri का मिलान शुभ है।

मंगलीक दोष मिलान

Hardik khatri मंगलीक नही है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में पंचम् भाव में स्थित है।

Pranjal Khatri मंगलीक नही है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में पंचम् भाव में स्थित है।

Hardik khatri तथा Pranjal Khatri में मंगलीक मिलान ठीक है।

निष्कर्ष

अष्टकूट एवं मंगलीक दोष न होने के कारण दोनों का मिलान उत्तम हैं।

अष्टकूट फलादेश

वर्ण

Hardik khatri का वर्ण ब्राह्मण तथा Pranjal Khatri का वर्ण वैश्य है। अतः यह मिलान अति उत्तम है। Pranjal Khatri सदैव अपने पति तथा घर में बड़ों का सम्मान करेगी तथा उनकी आज्ञा का पालन करती रहेंगी। Pranjal Khatri मितव्ययी होंगी तथा बचत करके पैसे को लाभदायक उपादानों में निवेश करती रहेंगी।

वश्य

Hardik khatri का वश्य जलचर है एवं Pranjal Khatri का वश्य द्विपद अर्थात मनुष्य है। जिसके कारण यह मिलान मिलान अच्छा मिलान नहीं है। जलचर कभी भी मनुष्य के ऊपर नियंत्रण स्थापित नहीं कर सकता। इसके विपरीत, मनुष्य या तो जलचरों पर नियंत्रण कर लेता है अथवा उसे समाप्त कर देता है अथवा उसका भक्षण कर लेता है अथवा उससे दूर भागता है। अतः यदि इन दोनों बीच विवाह सम्पन्न होता है तो यह अनुकूल नहीं रहेगा। इस स्थिति में Pranjal Khatri अति हावी होती रहेगी तथा हमेशा अपने पति को गुलाम समझती रहेगी तथा चाहेगी कि Hardik khatri उसकी आज्ञा का पालन करे। इससे घर की शांति भंग होगी तथा प्रगति एवं समृद्धि पर विपरीत प्रभाव पड़ेगा।

तारा

Hardik khatri की तारा साधक तथा Pranjal Khatri की तारा प्रत्यरि है। Pranjal Khatri की तारा प्रत्यरि होने के कारण यह मिलान औसत मिलान ही है। संभाव है कि यह विवाह Hardik khatri एवं उसके परिवार के लिए हानिकारक साबित हो। Pranjal Khatri का स्वभाव बिल्कुल लापरवाह, स्वार्थी एवं असहयोग की भावना वाली हो सकती है तथा भविष्य मे अपने स्वार्थ की पूर्ति करने में ही लगी रह सकती है। साथ ही Pranjal Khatri के अवैध संबंध तक भी हो सकते हैं जिसके फलस्वरूप पति, बच्चों एवं संपूर्ण परिवार को काफी कष्ट एवं पीड़ा का सामना कर पड़ सकता है। Hardik khatri अत्यधिक आध्यात्मिक हो सकता है तथा अपना अधिकांश समय आध्यात्मिक गतिविधियों में ही व्यतीत करता रहेगा।

योनि

Hardik khatri की योनि मार्जार है तथा Pranjal Khatri की योनि महिष है। अर्थात दोनों की योनि समान नहीं हैं और इनके बीच उदासीनता का अर्थात सम संबंध है। अतः यह मिलान औसत मिलान कहलायेगा। जिसके कारण दोनों के बीच आपसी समझबूझ का अभाव रहेगा तथा जीवन में सहयोग की भावना एवं प्रेम का अभाव भी बना रहेगा। दोनों के बीच अक्सर लड़ाई झगड़े होंगे तथा परिवार में तनाव तथा अशांति का भाव भी रह सकता है। साथ ही दोनों के बीच अविश्वास की भावना भी बनी रहेगी। दोनों एक दूसरे को संदेह की भावना से देखेंगे जिससे दोनों के बीच कटुता का भाव भी पैदा होगा। दोनों के बीच आपसी समझ की कमी भी रहेगी अतः दोनों के बीच वैचारिक मतभेद भी हो सकते हैं। संभव है कि

दोनों के बीच अवैध संबंध को लेकर संदेह की भावना बन जाये जिसके कारण पारिवारिक तनाव भी हो सकता है। बात-बात में दोनों के बीच में कभी कभी तर्क-वितर्क की जगह कुतर्क भी हो सकता है। वर या कन्या में से कोई भी विश्वासघात भी कर सकता है। जिसके कारण दोनों के बीच लड़ाई झगड़ा भी हो सकता है। इनको अपने जीवन में अत्याधिक संघर्ष के उपरांत ही सफलता प्राप्त होगी अतः कठिन परिश्रम की आवश्यकता पड़ेगी। इसके बावजूद इनको अपने जीवन में सफलता कम ही मिलेगी। अर्थात मेहनत अधिक और परिणाम कम ही मिलने की संभावना है। जिसके कारण दोनों को समय-समय पर मानसिक पीड़ा होती रहेगी। पारिवारिक आय औसत ही रहेगी। अर्थात धनागम के स्रोत कम ही रहेंगे। पति-पत्नी के बीच विचारों में भिन्नता होगी एवं जीवन में उतार-चढ़ाव बने रहेंगे। दोनों लापरवाह प्रवृत्ति के होंगे किंतु परिवार के प्रति कर्तव्यनिष्ठ रहेंगे। दोनों के बीच रोमांस एवं सेक्स में रुचि की कमी भी रह सकती है। कई बार वाद-विवाद में तर्क-वितर्क होते रहेंगे। जिसके कारण समय-समय पर धन हानि भी हो सकती है। आपस में प्रेम एवं सौहार्द्र की भी कमी रहेगी। इस प्रकार इनका वैवाहिक जीवन बहुत अच्छा न रहकर निम्न सामान्य स्तर का ही होगा।

मैत्री

अष्टकूट मिलान में ग्रह मैत्री कूट में Hardik khatri से Pranjal Khatri का राशि स्वामी मित्र है। परन्तु Pranjal Khatri से Hardik khatri का राशि स्वामी शत्रु है अतः यह मिलान ग्रह मैत्री के विचार से औसत मिलान है। इनके कुंडली मिलान में Hardik khatri का राशि स्वामी Pranjal Khatri के राशि स्वामी को मित्र समझता है इसलिये ऐसी स्थिति में Hardik khatri तो Pranjal Khatri को खूब प्यार करने वाले तथा ख्याल रखने वाले होंगे किंतु दूसरी ओर Pranjal Khatri उग्र, अविश्वासी एवं धोखेबाज हो सकती है जिसके कारण वह अपने पति से झगड़ा करने का कोई मौका नहीं गंवायेंगी तथा परिवार में अक्सर तनाव की स्थिति बनी रहेगी।

गण

Hardik khatri का गण राक्षस तथा Pranjal Khatri का गण देव है। अर्थात Pranjal Khatri का गण Hardik khatri के गण से श्रेष्ठ है। अतः यह मिलान अच्छा मिलान नहीं है। जिसके कारण Hardik khatri निर्दयी, कठोर, निष्ठुर एवं झगड़ालू हो सकते हैं। साथ ही Hardik khatri का Pranjal Khatri के साथ क्रूर व्यवहार करने की संभावना बनी रह सकती है। पति-पत्नी, अक्सर कुत्ते-बिल्लियों की भांति झगड़ा कर सकते हैं एवं परिवार में अक्सर अशांति का माहौल बना रहेगा। Pranjal Khatri हमेशा हर कदम पर समझौता करने की कोशिश करती रहेगी ताकि दोनों का संबंध बना रहे।

भकूट

Hardik khatri से Pranjal Khatri की राशि तृतीय भाव में स्थित है तथा Pranjal Khatri से Hardik khatri की राशि एकादश भाव में स्थित है जिसके कारण यह मिलान अति उत्तम मिलान है। जिसके कारण Hardik khatri अति महत्वाकांक्षी, परिश्रमी, बुद्धिमान तथा

अच्छा कमाने वाले होंगे। दूसरी ओर Pranjal Khatri सद्गुणी, परिश्रमी, सहयोगी एवं दयालु होंगी तथा अपने पति की हर क्षेत्र में हर संभव सहायता करेंगी। दोनों के बीच मधुर तालमेल, एक-दूसरे की अच्छी समझ होगी। ऐसा प्रतीत होता है कि जैसे दोनों एक-दूसरे के लिए ही बने हों।

नाड़ी

Hardik khatri की नाड़ी अन्त्य है तथा Pranjal Khatri की नाड़ी आद्य है। अर्थात दोनों की नाड़ी समान नहीं है, जो कि अष्टकूट मिलान की दृष्टि से दोष मुक्त है। अर्थात यह मिलान अति उत्तम मिलान है। यह समन्वय शरीर के दो महत्वपूर्ण अवयवों वात एवं कफ को संतुलित करता है। Hardik khatri की अन्त्य नाड़ी तथा Pranjal Khatri की आद्य नाड़ी होने के कारण उत्तम स्वास्थ्य, सम्पत्ति, सत्ता, शक्ति एवं दम्पत्ति के पारस्परिक प्रेम एवं सहयोग समय-समय पर मिलता रहेगा। आपकी संतान अति भाग्यशाली, आज्ञाकारी एवं शक्ति संपन्न होंगी।

मेलापक फलित

स्वभाव

Hardik khatri की जन्म राशि कर्क तथा Pranjal Khatri की जन्मराशि भूमितत्व युक्त कन्या राशि है। नैसर्गिक रूप से जल एवं भूमि तत्व के मध्य समता तथा मित्रता का भाव रहता है। अतः Hardik khatri और Pranjal Khatri के मध्य स्वाभाविक समानता रहेगी जिससे जीवन में मधुरता बनी रहेगी। अतः यह मिलान अच्छा रहेगा।

Hardik khatri की जन्म राशि का स्वामी चन्द्र तथा Pranjal Khatri की राशि का स्वामी बुध परस्पर मित्र एवं शत्रु राशि में स्थित है। अतः इसके प्रभाव से यदा कदा परस्पर मतभेद उत्पन्न होंगे तथा एक दूसरे के गुणों की उपेक्षा करके कमियों पर विशेष ध्यान देंगे जिससे आपस में विवाद एवं वैमनस्य होगा जिसका प्रभाव सुखी दाम्पत्य जीवन पर होगा। अतः यदि Hardik khatri और Pranjal Khatri परस्पर सामंजस्य एवं शांति पूर्वक समस्याओं का समाधान करें तो उपरोक्त प्रभावों में कमी हो सकती है।

Hardik khatri की जन्म राशि तथा Pranjal Khatri की जन्म राशि एक दूसरे की राशि से तृतीय एकादश में पड़ती है। यह शुभ भकूट माना जाता है। इसके प्रभाव से इनके आपसी संबधों में प्रगाढ़ता रहेगी तथा एक दूसरे के प्रति सहयोग, आकर्षण एवं सहानुभूति का भाव रहेगा जिससे अशुभ प्रभावों में कमी होगी तथा शांति एवं प्रसन्नता पूर्वक अपने कार्य कलापों को पूर्ण करने में समर्थ होंगे।

Hardik khatri का वश्य जलचर तथा Pranjal Khatri का वश्य मानव है। मानव एवं जलचर की स्वाभाविक विषमता के कारण इनकी अभिरूचियों में अंतर रहेगा तथा शारीरिक मानसिक एवं भावनात्मक स्तर पर भी विषमता दृष्टि गोचर होगी। साथ ही एक दूसरे को काम भावनाओं में प्रसन्न तथा सन्तुष्ट करने में असमर्थ होंगे जिससे मानसिक परेशानी रहेगी।

Hardik khatri का वर्ण ब्राहमण तथा Pranjal Khatri का वर्ण वैश्य है। अतः Hardik khatri की रूचि शैक्षणिक धार्मिक तथा ज्यौतिष संबधी विषयों पर रहेगी लेकिन Pranjal Khatri की प्रवृति धनार्जन में अधिक होगी तथा व्यापारिक बुद्धि से अपने कार्यो को सम्पन्न करेंगी।

धन

Hardik khatri और Pranjal Khatri की तारा एक दूसरे के लिए सम रहेगी। अतः आर्थिक स्थिति पर इसका कोई विशेष प्रभाव नहीं होगा तथा सामान्य रूप से धन एवं लाभ अर्जित करने में दोनों समर्थ होंगे। Hardik khatri और Pranjal Khatri की राशि तृतीय एवं एकादश भाव में पड़ती है। यह शुभ भकूट माना जाता है। इसके प्रभाव से उनकी आय में नित्य वृद्धि होगी जिससे अर्थिक सुदृढ़ता बनी रहेगी। साथ ही मंगल का प्रभाव भी सम रहेगा। अतः धनार्जन होता रहेगा।

Pranjal Khatri एक सौभाग्यशाली महिला होंगी अतः उन्हें अचानक धन प्राप्ति की पूर्ण संभावना होगी। यह लाटरी या सटटे या किसी अन्य माध्यम से हो सकता है। साथ ही पैतृक सम्पति या जायदाद भी उनको मिलेगी जिससे दम्पति धन एवं ऐश्वर्य से युक्त रहकर अपना जीवन व्यतीत करेंगे।

स्वास्थ्य

Hardik khatri की नाड़ी अन्त्य तथा Pranjal Khatri की नाड़ी आद्य है। अतः दोनों की नाड़ियां अलग अलग होने के कारण दोनों शारीरिक रूप से स्वस्थ रहेंगे तथा अपने सांसारिक महत्व के शुभ एवं महत्वपूर्ण कार्यो को यथा समय सम्पन्न करने में समर्थ होंगे। जिससे दाम्पत्य जीवन में समृद्धि तथा प्रसन्नता बनी रहेगी। साथ ही मंगल का दुष्प्रभाव भी किसी के स्वास्थ्य पर नहीं रहेगा जिससे उत्तम दाम्पत्य जीवन की दृष्टि से यह मिलान उत्तम रहेगा तथा सुख एवं आनंद पूर्वक Hardik khatri और Pranjal Khatri अपना जीवन व्यतीत करने में समर्थ होंगे।

संतान

Hardik khatri और Pranjal Khatri का संतति के दृष्टि कोण से मिलान शुभ रहेगा। उनको यथा समय संतति की प्राप्ति होगी। साथ ही बच्चों के मध्य जन्म का अंतर भी अनुकूल ही रहेगा। Hardik khatri और Pranjal Khatri की संतति में पुत्रों की अधिकता तथा कन्या संतति की न्यूनता रहेगी।

Pranjal Khatri को प्रसव काल में किंचित समस्याओं तथा परेशानियों का सामना करना पड़ सकता है। अतः गर्भावस्था में Pranjal Khatri को अपना पूर्ण ध्यान तथा सुरक्षा रखनी चाहिए तथा समय समय पर डाक्टरी जांच इत्यादि नियमित रूप से करवानी चाहिए। यदि Pranjal Khatri इस प्रकार से स्वयं का पूर्ण ध्यान रखेंगी तो परेशानियों में न्यूनता आ सकती है जिससे कष्टों में अल्पता आएगी।

Hardik khatri और Pranjal Khatri के बच्चे व्यवहार कुशल एवं आकर्षक होंगे तथा माता पिता के लिए पूर्ण आज्ञाकारी रहेंगे। साथ ही कार्य क्षेत्र में अपनी योग्यता बुद्धिमता एवं परिश्रम से इच्छित उन्नति एवं सफलता अर्जित करने में समर्थ होंगे। अतः सुदंर सुसंस्कृत एवं बुद्धिमान संतति से गौरवान्वित होकर Hardik khatri और Pranjal Khatri का पारिवारिक जीवन सुख शांति एवं प्रसन्नता पूर्वक व्यतीत होगा।

ससुराल-सुश्री

Pranjal Khatri के अपनी सास से संबधों में अनुकूलता तथा मधुरता रहेगी तथा उनकी तरफ से Pranjal Khatri किसी भी अनावश्यक समस्या या असुविधा का सामना नहीं करना पड़ेगा। Pranjal Khatri के हृदय में उनके प्रति सेवा भाव रहेगा तथा अपनी सेवा के द्वारा उन्हें प्रसन्न तथा सन्तुष्ट रखने के लिए प्रयत्नशील रहेंगी। यद्यपि यदा कदा इनके मध्य मतभेद या विवाद भी होंगे लेकिन यह अल्प समय के लिए होगा तथा सामान्यतया संबधों में

मधुरता बनी रहेगी।

उनके ससुर से Pranjal Khatri को विशेष स्नेह सम्मान तथा अनुकूलता प्राप्त नहीं होगी तथा के द्वारा Pranjal Khatri को समय समय पर समस्याओं तथा व्यवधानों का सामना करना पड़ेगा लेकिन देवर एवं ननदों से Pranjal Khatri के अत्यंत ही स्नेह एवं सौहार्द पूर्ण संबध रहेंगे तथा उनसे इन्हें पूर्ण सम्मान तथा सहयोग मिलेगा। साथ ही परस्पर संबधों में मित्रता का भाव रहेगा तथा आपसी समस्याओं तथा सुख दुख में एक दूसरे को अपना सहयोग प्रदान करते रहेंगे। इस प्रकार Pranjal Khatri के सास ससुर का दृष्टिकोण सामान्यतया अनुकूल नहीं रहेगा।

ससुराल-श्री

Hardik khatri तथा उनकी सास के संबधों में सामान्यतया मधुरता ही रहेगी। साथ ही आपस में किसी प्रकार के मतभेद या तनाव के भाव की न्यूनता रहेगी। वे अपनी सास के प्रति श्रद्धा तथा सम्मानजनक व्यवहार रखेंगे तथा उन्हें अपनी माता के समान ही आदर प्रदान करेंगे। साथ ही सपत्नीक वह समय समय पर ससुराल के लोगों से मिलने जाया करेंगे।

लेकिन ससुर के साथ में Hardik khatri के संबध विशेष अच्छे नहीं रहेंगे तथा आयु में पर्याप्त अंतर के कारण दोनों के मध्य काफी वैचारिक विभिन्नता तथा अन्य मतभेद रहेंगे परन्तु यदि परस्पर सामंजस्य एवं बुद्धिमता का प्रदर्शन किया जाय तो इनमें न्यूनता आ सकती है। साथ ही साले एवं सालियों से Hardik khatri के संबध अच्छे रहेंगे तथा उनसे इच्छित सहयोग, स्नेह तथा सहानुभूति प्राप्त होगी एवं परस्पर मित्रता का भाव रहेगा। इस प्रकार ससुराल के पक्ष का दृष्टिकोण Hardik khatri के प्रति उत्साहवर्द्धक नहीं रहेगा तथा सामंजस्य से ही इसमें अनुकूलता वनी रहेगी।